परिशिष्ट — परियोजनाएँ

टिप्पणी — निम्नलिखित परियोजनाओं में से कोई एक ली जा सकती है और उसका मूल्यांकन हो सकता है।

परियोजना 1 — पारंपरिक व्यवसायों का विश्लेषण

अपने स्वयं के स्थानीय क्षेत्र में प्रचलित पारंपरिक व्यवसायों का विश्लेषण, उनका प्रारंभ, वर्तमान स्थिति तथा समक्ष आईं चुनौतियाँ। जेंडर भूमिकाओं, उद्यमी अवसर तथा भावी जीविकाएँ (करियर) और परिवार की सहभागिता का विश्लेषण कीजिए।

परियोजना की विषय-वस्तु

अपने क्षेत्र में प्रचलित पारंपरिक व्यवसायों की पहचान कीजिए। कुछ शिल्पकारों से व्यवसाय प्रारंभ करने, वर्तमान स्थिति और समस्याएँ तथा चुनौतियाँ जो उनके सामने आती हैं, के बारे में साक्षात्कार कीजिए।

परियोजना का उद्देश्य

आपने इकाई 1 में भारत में पारंपरिक व्यवसायों के बारे में पढ़ा। इस परियोजना को करना, आपको शिल्प की उत्पत्ति तथा इतिहास, आधुनिक संदर्भ में जो परिवर्तन उभरकर आए हैं, इसके विक्रेता तथा शिल्पकारों के सामने आईं चुनौतियों के लिए अंतःदृष्टि देगा। आप यह भी जान पाएँगे कि इनमें से कुछ उद्यमी कैसे बने। अभिप्राय यह है कि यह आपको आधुनिक संदर्भ में उद्यमी संभावनाओं पर विचार करने योग्य बनाएगी।

प्रक्रिया

1. शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों से अपने क्षेत्र या राज्य में प्रचलित विभिन्न व्यवसायों की पहचान करने के लिए प्रश्न पूछकर विचारावेश सत्र प्रारंभ कीजिए।
2. श्यामपट्ट पर सभी व्यवसायों की सूची लिखिए। उदाहरण के लिए—
   - (क) खाद्य उद्योग से संबंधित व्यवसाय – अचार, जैम, नाश्ता, मिठाइयाँ, पारंपरिक त्यौहारों की विशिष्टता वाले भोजन इत्यादि
   - (ख) वस्त्र उद्योग संबंधी व्यवसाय – बुनना, सिलना, कसीदाकारी, बँधाई इत्यादि
   - (ग) हस्तशिल्प उद्योग संबंधी व्यवसाय – दरी बनाना, मृद् भांड (पॉटरी), बाँस कला, पारंपरिक चित्रकारी, कागज़ कला, असेसर बनाना इत्यादि।
   - (घ) स्थानीय क्षेत्र में प्रचलित कोई अन्य व्यवसाय
3. कक्षा को समूहों में बाँटा जा सकता है, एक समूह में 5 से अधिक विद्यार्थी न हों।
4. प्रत्येक समूह एक विशिष्ट पारंपरिक शिल्प या कला या उत्पाद की पहचान करेगा।
5. प्रत्येक समूह चयनित शिल्प/कला में कार्यरत कारीगरों/शिल्पकारों की पहचान करेगा।

© NCERT not to be republished

6. आगे दिए गए 'परिचर्चा बिंदुओं' के अंतर्गत दी गईं बिंदुओं की सूची के आधार पर एक साक्षात्कार प्रारूप विकसित कीजिए।
7. विद्यार्थी लगभग 2-3 ऐसे व्यक्तियों से पारस्परिक क्रिया करेंगें तथा उनके साथ निम्नलिखित बिंदुओं पर परिचर्चा करेंगे।

परिचर्चा बिंदु

- विशिष्ट कला या शिल्प की उत्पत्ति, यदि वे कोई ऐतिहासिक संदर्भ जानते हों।
- बनाए गए उत्पाद का प्रकार, प्रयोग में लाई गई कच्ची सामग्री, बड़े पैमाने पर निर्माण का प्रक्रम तथा विभिन्न चरणों में आवश्यक कौशल, प्राप्त प्रशिक्षण, कोई औपचारिक प्रशिक्षण जिसकी आवश्यकता हो।
- लागत निकालना तथा लाभप्रदता
- उत्पादन प्रतिमाह और अनुमानित आय, ग्राहक तथा लाभप्रदता
- आधुनिक परिवेश में हुए परिवर्तन और सामने आईं चुनौतियाँ या समस्याएँ
- उपाय के लिए कार्रवाइयाँ तथा आवश्यक सहायता, यदि कोई हो
- उपलब्ध तथा काम में ली गईं सरकारी अथवा निजी योजनाएँ
- निम्नलिखित से संबंधित जेंडर पहलू — (क) बनाए गए उत्पादों का प्रकार (ख) उत्पादन के लिए दिए गए विशिष्ट कार्य (ग) परिवार का समर्थन तथा सहभागिता, बच्चों सहित (घ) पुरुषों और महिलाओं को वेतन
- अपनाई गईं विपणन नीतियाँ
- आवश्यक सहयोग, सहायता तथा निधि
- स्वरोज़गार तथा उद्यम की संभावना

साक्षात्कार किए गए लोगों के उत्तर रिकॉर्ड किए जाने चाहिए तथा एक परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाए। प्रत्येक समूह तब उद्यम संभावनाओं के साथ-साथ बाल श्रम में जेंडर भूमिका के संबंध में निष्कर्ष निकालेगा। प्रत्येक समूह कक्षा में प्रस्तुति देगा, जिसका शिक्षक/शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

परियोजना रिपोर्ट की रूपरेखा — व्यवसाय का परिचय, काम का विवरण तथा आवश्यक कौशल इत्यादि में दोहराने के द्वारा, बाद का प्रस्तुतीकरण तथा परिचर्चा।

परियोजना 2 — किसी सार्वजनिक/जन अभियान का प्रलेखन

किसी सार्वजनिक/जन अभियान का प्रलेखन जो आपके क्षेत्र में निम्नलिखित के संदर्भ में कार्यान्वित किया गया हो—

(क) अभियान का उद्देश्य

(ख) केंद्रीय समूह

(ग) कार्यान्वयन के ढंग

(घ) शामिल साझेदार

© NCERT not to be republished

(ङ) संचार माध्यम तथा उपयोग में ली गई विधियाँ

(च) अभियान की प्रासंगिकता पर टिप्पणी

परियोजना की विषय-वस्तु

अपने क्षेत्र में कार्यान्वित एक सार्वजनिक या जन अभियान का प्रलेखन

परियोजना का उद्देश्य

आपने विभिन्न उद्देश्यों के लिए संचार माध्यमों के उपयोग के बारे में सीखा है। यह परियोजना आपको, अभियान कैसे संचालित किए जाते हैं, पर प्रत्यक्ष अनुभव करने में समर्थ बनाएगी।

प्रक्रिया

कक्षा को चार समूहों में बाँट दीजिए। कक्षा को दो सार्वजनिक या जन अभियानों को चिह्नित करना और चुनना चाहिए जो उनके इलाके या क्षेत्र में संचालित किए जा चुके हैं या किए जा रहे हैं। प्रत्येक अभियान के लिए एक समूह को अयोजित करने वाली समिति के कुछ सदस्यों का साक्षात्कार करना चाहिए और दूसरे समूह को केंद्रीय या लक्षित समूह के कुछ सदस्यों का साक्षात्कार करना चाहिए।

1. प्रत्येक समूह को एक फ़ाइल बनानी चाहिए, जिसमें घटना का विस्तृत रिकॉर्ड हो।
2. निम्नलिखित ब्यौरों से संबंधित साक्षात्कारों का रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए—
   (क) अभियान का उद्देश्य
   (ख) केंद्रीय या लक्षित समूह जिसको सम्मिलित करना है।
   (ग) कार्यान्वयन के तरीके
   (घ) उपयोग किए गए संचार माध्यम
   (ङ) संप्रेषण के तरीके
   (च) अभियान की अवधि
   (छ) योजना और कार्यान्वयन में सम्मिलित व्यक्तियों/संगठनों (पणधारियों) का
   (ज) केंद्रीय और लक्षित समूह की संख्या या भौगोलिक क्षेत्रों /आयुवर्गों के विषय में वास्तविक आवरण
   (झ) जरूरी योजना की मात्रा और प्रकार
   (ञ) धन के स्रोत
   (ट) अभियान की प्रतिक्रियाएँ
   (ठ) संगठनकर्ताओं का आकलन

प्रत्येक समूह को अपने अभिमतों (रायों) को संक्षेप में प्रस्तुत करना चाहिए। अध्यापक और छात्र कक्षा में चर्चा कर सकते हैं कि क्या उद्देश्य की पूर्ति हो चुकी है और क्या किसी पहलू को दूसरे तरीके से किया जाना चाहिए था।

© NCERT not to be republished

परियोजना 3 — एक एकीकृत समुदाय-आधारित कार्यक्रम का अध्ययन

निम्नलिखित के संदर्भ में आपके क्षेत्र में कार्यान्वित किए जा रहे, एक एकीकृत समुदाय-आधारित पोषण/स्वास्थ्य कार्यक्रम का अध्ययन –

- कार्यक्रम का उद्देश्य
- केंद्रीय समूह
- कार्यान्वयन के ढंग
- शामिल साझेदार (पणधारी)

परियोजना की विषय-वस्तु

आपके क्षेत्र में कार्यान्वित किए जा रहे एक एकीकृत समुदाय-आधारित पोषण/स्वास्थ्य कार्यक्रम का अध्ययन

परियोजना का उद्देश्य

आपने पढ़ा है कि हमारे यहाँ पोषण संबंधी बहुत-सी समस्याएँ हैं, जिनका देश को मुकाबला करना है। यह प्रयोग आज-कल कार्यान्वित किए जा रहे कार्यक्रम (कार्यक्रमों) के विषय में आपको कुछ जानकारी और अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में समर्थ बनाएगा।

प्रक्रिया

कक्षा को 4–5 समूहों में बाँट दीजिए। प्रत्येक समूह निम्नलिखित कार्यक्रमों/योजनाओं में से किसी एक का अध्ययन करे —

- आई.सी.डी.एस. (एकीकृत बाल विकास योजना)
- मध्याह्न भोजन कार्यक्रम
- पल्स पोलियो कार्यक्रम
- जनन तथा शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम
- सुरक्षित/स्वच्छ जल तथा सफ़ाई कार्यक्रम
- क्षेत्र में कार्यान्वित अन्य कोई कार्यक्रम

1. प्रत्येक समूह एक फ़ाइल तैयार करे, जिसमें घटना का विस्तृत रिकॉर्ड हो।
2. प्रत्येक समूह उस स्थान पर जाकर देखे जहाँ कार्यक्रम हो रहा है और प्रभारी व्यक्ति अर्थात् एकीकृत बाल विकास योजना में बाल विकास परियोजना अधिकारी और क्षेत्र कार्यकर्ताओं (अर्थात् आँगनवाड़ी सेविका/कार्यकर्ता) से पारस्परिक क्रिया करे, जो गतिविधियाँ हो रही हैं, उन्हें देखे तथा भाग लेने वालों/लाभार्थियों से पारस्परिक क्रिया करे।
3. प्रेक्षण, जिस ढंग से कार्यक्रम कार्यान्वित हो रहा है उसे समझना, भाग लेने वालों/लाभार्थियों की संख्या, भाग लेने वालों द्वारा दी गई सेवाओं तथा लाभों को अनुभव करना, कार्यक्रम के सुधार के लिए भाग लेने वालों के सुझाव।

© NCERT not to be republished

> शिक्षकों के लिए नोट— यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्य संबंधी विस्तृत विवरण को कवर करने और समझने, सम्मिलित साथी/साझेदार, केंद्रीय समूह/लक्षित समूह तथा कार्यान्वयन की नीतियाँ, सहायक(वित्तीय) लागत तथा लाभ, कुल कवरेज के लिए मार्गदर्शन मिल रहा है।

4. प्रत्येक समूह को कक्षा में प्रस्तुतीकरण देना चाहिए और अपनी टिप्पणियाँ तथा सुझाव देने चाहिए कि वे कार्यक्रम के लिए क्या योगदान कर सकते हैं।

परियोजना 4 — विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के संबंध में किशोरों तथा वयस्कों का बोध

पड़ोस के क्षेत्रों का भ्रमण कीजिए तथा दो किशोरों और दो वयस्कों से विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के संबंध में उनके बोध के लिए साक्षात्कार कीजिए।

परियोजना की विषय-वस्तु

अपने पड़ोस में दो किशोरों तथा दो वयस्कों की पहचान कीजिए और विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों संबंधी उनके बोध के लिए, दिए गए साक्षात्कार कार्यक्रम के अनुसार उनका साक्षात्कार कीजिए।

परियोजना का उद्देश्य

आपने पढ़ा है कि मानव विकास / बाल विकास की दिशा में विशेषज्ञता प्राप्त करने के बाद जीविका के विकल्पों में से एक जो आप ले सकते हैं, वह विशेष आवश्यकता वाले बच्चों तथा वयस्कों के साथ काम करना है। यह परियोजना (तथा इससे अगली) करना आपको इस जीविका विकल्प के बारे में कुछ विचार विकसित करने में मदद करेगा। विशेष रूप से, यह परियोजना आपको यह समझने में मदद करेगी कि लोग विशेष आवश्यकता वाले लोगों के बारे में क्या सोचते हैं। लोगों के साथ बात करने पर आप अपनी धारणाओं तथा अपने बोध संबंधी आत्म निरीक्षण कर सकते हैं। आपको ज्ञात हो सकता है कि आपकी सोच में बहुत समानताएँ हैं। सोचें कि क्या आपको अपनी कुछ धारणाएँ बदलने की आवश्यकता है।

परियोजना में प्रमुख संकल्पनाएँ / परियोजना में अधिगम बिंदु

इस क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण शब्दों में सम्मिलित हैं— किशोर, वयस्क, पड़ोस, साक्षात्कार, साक्षात्कार अनुसूची। हम कह सकते हैं कि ये प्रमुख संकल्पनाएँ हैं, जो हम आपको इस परियोजना के माध्यम से समझाना चाहते हैं। आपको किशोरों तथा वयस्कों से साक्षात्कार करने के लिए क्यों कहा जा रहा है? पड़ोस में ही क्यों? और एक साक्षात्कार क्या है तथा यह एक व्यक्ति से बातचीत करने से किस प्रकार भिन्न है? आप जानते हैं कि—

1. किशोरावस्था वह समय है, जब व्यक्ति स्वयं पर और दूसरों पर एक बहुत सुविचारित तथा सचेतन ढंग से केंद्रित करना प्रारंभ करता है। कक्षा 11 के अध्ययन में स्वयं के विकास प्रसंग का स्मरण कीजिए। अमूर्त चिंतन की योग्यता व्यक्ति के लिए संभव बनाती है कि वह विभिन्न संभावनाओं के विषय में सोच सके। यह वह समय भी होता है, जब बहुत से मूल्य निर्माण के प्रक्रम में होते हैं। मानव जाति में विविधता के संबंध में किशोर के मूल्य तथा धारणाएँ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये प्रतिदिन की पारस्परिक क्रियाओं को आकार देती हैं।

© NCERT not to be republished

2. वयस्कों में भली-भाँति स्थापित विचार तथा धारणाएँ होती हैं—हो सकता है कि इनमें से सभी आवश्यक रूप से मानवोचित तथा न्यायसंगत न हों। वयस्क वे भी हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपने शब्दों तथा क्रियाओं द्वारा बच्चों की मनोवृत्ति को आकार देते हैं। उनकी धारणाओं को जानना महत्वपूर्ण है।
3. आपको अपने पड़ोस में किशोरों तथा वयस्कों से साक्षात्कार करने को कहा गया है, बजाय इसके कि विशेष आवश्यकता वाले लोगों के लिए स्थापित केंद्र या संस्थान पर जाकर लोगों से साक्षात्कार कीजिए। इसका अर्थ यह है विशेष आवश्यकता वाले लोग समाज का एक हिस्सा हैं और हम अपेक्षा करते हैं कि अधिकांश लोगों को विशेष आवश्यकता वाले लोगों के साथ पारस्परिक क्रिया करने का कुछ अनुभव होगा, अतः हम आपको अपने पड़ोस में लोगों से साक्षात्कार करने के लिए कह रहे हैं—हम आपसे नहीं कह रहे हैं कि आप विशेष स्थानों पर जाकर ऐसे लोगों की तलाश कीजिए, जिन्होंने दिव्यांगजनों के साथ पारस्परिक क्रिया की है।
4. आपको लोगों से साक्षात्कार करके प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करना होगा—केवल उनसे बातचीत करके ही नहीं। एक साक्षात्कार तथा बातचीत में क्या अंतर है? साक्षात्कार जानकारी या 'आँकड़े' इकट्ठे करने की एक प्रमुख विधि है तथा यह परियोजना आपको इससे अभिमुख कराएगी। बातचीत दो व्यक्तियों के मध्य एक अनौपचारिक पारस्परिक क्रिया है। साक्षात्कार एक वार्तालाप है जो किसी सीमा तक साक्षात्कार करने वाले व्यक्ति की बातचीत को दिशा देने के लिए कुछ नियमों का पालन करता है। साक्षात्कार करने के कुछ तरीके होते हैं तथा साक्षात्कार की कुछ आचार नीतियाँ हैं। हम इन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कुछ देर बाद में करेंगे।
5. अच्छा साक्षात्कार करने के लिए, जिससे आपको चाही गई सारी जानकारी मिल जाए, आपको पूर्व तैयारी की आवश्यकता होगी। आपको वे सब प्रश्न सोचने होंगे, जो आप पूछेंगे। ये साक्षात्कार अनुसूची के रूप में लिखे जाते हैं। जबकि हम आपको अनुसूची दे रहे हैं, जो आप साक्षात्कार करने के लिए उपयोग में लेंगे। दूसरे सत्र में हम अनुसूचियों को विकसित करने के लिए मार्गदर्शी सिद्धांतों की बात करेंगे। यह आपको समझने में मदद करेगा कि हमने इस प्रकार अपनी साक्षात्कार अनुसूची क्यों बनाई है।

परियोजना के लिए प्रारंभिक क्रियाकलाप

1. कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक में संबंधित भाग को पढ़ें। आपको जानकारी होनी चाहिए कि विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्ति कौन होते हैं।
2. एक किशोर तथा एक वयस्क का पता लगाएँ। यह बेहतर होगा कि आप एक पुरुष तथा एक महिला की पहचान करें।
3. हमारे द्वारा दी गई साक्षात्कार अनुसूची से परिचित हो जाएँ, आप जिसका उपयोग इस परियोजना के लिए आवश्यक जानकारी इकट्ठा करने के लिए करेंगे।

साक्षात्कार अनुसूची

अनुदेश — प्रश्न प्रारंभ करने से पहले अनुदेशों को पढ़ लें।

परिचय — मैं कक्षा 12 का एक विद्यार्थी हूँ। हम जनसाधारण का साक्षात्कार कर रहे हैं, विशेष आवश्यकता वाले लोगों के बारे में उनके विचार जानने के लिए। कृपया निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देकर हमारी सहायता कीजिए—

2022-23

1. क्या आप विशेष आवश्यकता वाले या दिव्यांग व्यक्ति से मिले हैं या उसके बारे में सुना है? हाँ या नहीं? यदि हाँ, तो वह कौन है तथा कहाँ है? उनके साथ होने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिए।
2. क्या आप वर्णन कर सकते हैं कि आपको कैसा लगा जब आप इस व्यक्ति को मिले या उसको देखा?
3. आपने उस व्यक्ति के बारे में पहली क्या बात नोट की?
4. आप क्या सोचते हैं कि उस व्यक्ति में क्या क्षमताएँ थीं?

शिक्षकों के लिए नोट—

1. कक्षा में निम्नलिखित पर एक मार्गदर्शित परिचर्चा आयोजित कीजिए—
   (क) साक्षात्कार करना
   (ख) साक्षात्कार देने वालों द्वारा दिए गए प्रश्नों के उत्तरों को रिकॉर्ड करना
   (ग) यह क्रियाकलाप आपके पड़ोस में क्यों किया गया?
   (घ) दिव्यांगता की दशा में क्रियाकलाप
2. विद्यार्थियों द्वारा दी गई रिपोर्ट में होने चाहिए—
   (क) साक्षात्कार के उत्तर
   (ख) निष्कर्ष बिंदु

परियोजना 5 — विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्ति की विवरणिका तैयार करना

विशेष आवश्यकताओं वाले किसी एक व्यक्ति, बच्चे या वयस्क के आहार, पहनावे, क्रियाकलापों, भौतिक तथा मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए विवरणिका तैयार कीजिए।

परियोजना की विषय-वस्तु

विशेष आवश्यकताओं वाले किसी एक व्यक्ति, बालक या वयस्क की विवरणिका निम्नलिखित का पता लगाने के लिए तैयार कीजिए—

1. आहार
2. पहनावा
3. क्रियाकलाप
4. भौतिक आवश्यकताएँ
5. मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएँ

प्रक्रिया

एक बच्चे (11-18 वर्ष) या एक बड़े व्यक्ति की पहचान कीजिए, जो किसी भी प्रकार से दिव्यांग हो। यह सुनिश्चित कर लीजिए कि वह बालक या वयस्क आपके क्रियाकलाप में एक सहभागी बनने के लिए तैयार है और आपके प्रश्नों के उत्तर दे सकता है। वैकल्पिक रूप से उसकी देखभाल करने वाला/वाली परिवार के सदस्य उसकी ओर से उत्तर दे सकते हैं।

साक्षात्कार अनुसूची के रूप में प्रश्नों का एक सेट विकसित कीजिए जो ऊपर दिए गए क्षेत्रों की जानकारी प्रकाश में ला सकते हैं।

© NCERT not to be republished

नोट — ऐसे प्रश्न शामिल कीजिए और इस तरीके से पूछिए कि आप बच्चे/वयस्क को बेढंगा, बहिष्कृत या चिह्नित हुआ महसूस नहीं होने देते।

निष्कर्ष

बच्चे/वयस्क की एक संक्षिप्त विवरणिका तैयार कीजिए, इस बात पर केंद्रित करते हुए कि वह अन्य बच्चों/लोगों के समान है, जिनमें कोई दिव्यांगता नहीं है।

शिक्षक के लिए नोट

इस परियोजना से विद्यार्थियों में संबंधित प्रश्न बनाने और एक साक्षात्कार आयोजित करने तथा साथ ही एक केस विवरणिका लिखने की क्षमता विकसित करना अपेक्षित है।

परियोजना 6 — विद्यालय में एक कार्यक्रम की योजना बनाना तथा कार्यान्वित करना।

अपने विद्यालय में किसी कार्यक्रम की योजना बनाइए और उसे कार्यान्वित करिए। निम्नलिखित के संदर्भ में उसका मूल्यांकन कीजिए —

(क) इसकी प्रासंगिकता

(ख) संसाधन उपलब्धता तथा कार्यप्रवर्तता

(ग) कार्यक्रम की योजना बनाना तथा कार्यान्वित करना

(घ) वित्तीय उलझनें

(ङ) साझेदारों से प्रतिपुष्टि

(च) भविष्य के लिए सुधारों के सुझाव दीजिए।

उद्देश्य — विद्यार्थियों को दक्षतापूर्वक कार्यक्रम बनाने के योग्य बनाना।

प्रक्रिया

कार्यक्रम की आवश्यकतानुसार दल के सदस्यों के बारे में अपने ज्ञान का उपयोग करते हुए योजना बनाइए तथा दल के विभिन्न व्यक्तियों को, उनके कार्यों का आवंटन कीजिए। तीन कॉलम बनाइए तथा कार्यक्रम-पूर्व, कार्यक्रम के समय तथा कार्यक्रम-पश्चात् के क्रियाकलापों की चर्चा कीजिए।

1. जो कार्यक्रम आप भविष्य में करना चाहते हैं, उसके लिए योजना बनाइए तथा कार्यक्रम-पश्चात् क्रियाकलापों की सूची तैयार कीजिए।
   - यह क्रियाकलाप करने के पश्चात् आप कार्यक्रम के सफलतापूर्ण निष्पादन के लिए आयोजन में सम्मिलित विभिन्न व्यक्तियों को कार्य आवंटन करने के योग्य हो जाएँगे।
2. विद्यार्थियों को समूहों में बाँट दीजिए।

© NCERT not to be republished

3. समूहों को निम्नलिखित कार्य आवंटित कीजिए—

- निमंत्रण पत्र को डिज़ाइन करना
- निमंत्रण पत्र की प्रतिलिपियाँ बनाना तथा उनका वितरण करना
- कार्यक्रम के लिए (यदि चाहा गया हो) तो एक थीम का चयन कीजिए
- बजट तय कीजिए
- अल्पाहार के लिए व्यंजन सूची का निर्धारण कीजिए
- कार्यक्रम स्थल की सजावट के बारे में निर्णय लीजिए
- कार्यक्रम के समय दिए जाने वाले संगीत, की जाने वाली गतिविधियों इत्यादि का चयन कीजिए
- कार्यक्रम का संचालन कीजिए
- आय तथा व्यय का रिकॉर्ड रखिए

4. कार्यक्रम-पश्चात् मूल्यांकन निम्नलिखित बिंदुओं का उपयोग करके कीजिए —

कार्यक्रम का नाम

दिनांक

कार्यक्रम का प्रकार

स्थान

- क्या आपने कार्यक्रम का आनंद लिया? यदि नहीं, तो कृपया कारण बताएँ।
- कार्यक्रम में आपको सबसे अधिक अच्छा क्या लगा ?
- कार्यक्रम में आपको सबसे कम अच्छा क्या लगा ?
- कार्यक्रम के दौरान आपके सामने क्या समस्याएँ आईं ?
- इस कार्यक्रम को और अच्छा बनाने के लिए क्या-क्या किया जा सकता था ?
- आप हमारे द्वारा दी गई विभिन्न सेवाओं का आकलन कैसे करते हैं (कृपया एक विकल्प पर निशान लगाइए)—

	अतिउत्तम	**उत्तम**	**औसत**	**निम्न**
आतिथ्य-सत्कार				
भोजन-व्यवस्था				
परिवहन				
प्रबंध स्टाफ़ का व्यवहार				
प्रबंध स्टाफ़ की सेवाएँ				

क्या आप हमारे अगले कार्यक्रम में भाग लेना पसंद करेंगे?

© NCERT not to be republished

नोट — दस विभिन्न कार्यक्रमों के निमंत्रण पत्र इकट्ठे कीजिए तथा कार्यक्रम अनुसूची को विस्तार से समझाइए। इकट्ठी की गई जानकारी के आधार पर निमंत्रण पत्र का डिज़ाइन तैयार कीजिए।

कार्ड मूल्यांकन या डिज़ाइन के लिए विद्यार्थी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी विवेचनात्मक विशेषताओं को सम्मिलित कर लिया गया है, निम्नलिखित अनुसूची का उपयोग कर सकते हैं।

क्र.सं.	निमंत्रण पत्र की विशेषताएँ	उपस्थित/अनुपस्थित	उत्तम	औसत	निम्न
1.	**पाठ्यसामग्री**				
(क)	स्थान				
(ख)	पहुँचने के लिए मानचित्र				
(ग)	महत्वपूर्ण स्थलचिह्न				
(घ)	समय अवधि				
(ङ)	कार्यक्रम का विवरण				
2.	**जानकारी का प्रदर्शन (खाका)**				
3.	**पत्र का आकर्षण**				
4.	**जानकारी की स्पष्टता**				
5.	**कार्यक्रम की थीम/विषय-वस्तु**				
6.	**अतिथियों से अपेक्षाएँ**				
7.	**नवीन डिज़ाइन संकल्पना**				
8.	**आयोजन दल और उनके संपर्क नंबर**				
9.	**कोई अन्य**				

शिक्षकों के लिए नोट

शिक्षक विद्यार्थियों से विभिन्न कार्यक्रमों के निमंत्रण पत्र लाने के लिए कह सकते हैं और पत्र के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा कर सकते हैं, जैसे —

- संबंधित पाठ्यसामग्री जैसे – स्थान और वहाँ पहुँचने का मानचित्र अथवा महत्वपूर्ण स्थलचिह्न, समय, अवसर, कार्यक्रम विवरण इत्यादि
- जानकारी का प्रर्दशन (खाका)
- पत्र का आकर्षण
- जानकारी की स्पष्टता
- कार्यक्रम की विषय-वस्तु तथा अतिथियों से अपेक्षाएँ
- नवीन डिज़ाइन संकल्पनाएँ
- आयोजक दल तथा उनके संपर्क नंबर

© NCERT not to be republished

परियोजना 7 — पोषण, स्वास्थ्य और जीवन कौशलों के लिए संदेशों की योजना बनाना

विभिन्न केंद्रीय समूहों के लिए संचार के विभिन्न तरीकों का उपयोग करते हुए पोषण, स्वास्थ्य तथा जीवन कौशलों के लिए संदेशों की योजना बनाना।

विषय-वस्तु

1. शिक्षा के लिए एक लक्षित समूह की पहचान करना
2. चयनित समूह के लिए विशेष आवश्यकताओं तथा उनकी विशेष समस्याओं की पहचान करना
3. समूह को शिक्षित करने के लिए एक उपयुक्त संदेश की आयोजना
4. संचार के माध्यम का चयन करना
5. शैक्षिक सामग्री विकसित करना

उद्देश्य

यह प्रयोग विद्यार्थियों को समाज के विभिन्न समूहों के लिए स्वास्थ्य तथा पोषण शिक्षा के लिए संदेशों की योजना बनाने के योग्य, बनाने के उद्देश्य तथा संदेश देने के लिए संचार का एक उपयुक्त माध्यम चयनित करने के लिए है।

प्रक्रिया

1. कक्षा को 4-5 विद्यार्थी प्रति समूह के समूहों में बाँट दीजिए।
2. पहला कार्य केंद्रीय/लक्षित समूह की पहचान करना है, जिसके लिए संदेश बनाना है। विभिन्न केंद्रीय समूह हो सकते हैं— किशोर, विद्यालय के बच्चे, गर्भवती महिलाएँ, वयस्क।
3. एक बार जब केंद्रीय/लक्षित समूह का चयन हो जाता है, तो पोषण समस्या अथवा उस विषय की पहचान करिए जिसके बारे में आप समूह को शिक्षित करना पसंद करेंगे।
4. एक उपयुक्त संदेश (चयनित समूह पर लक्षित) की पहचान करिए, जो चयनित समूह के पोषण तथा स्वास्थ्य रूपरेखा में सुधार के लिए सहायक होगा। यह प्रत्येक समूह की विशिष्ट आवश्यकताओं तथा विशिष्ट वर्तमान समस्याओं पर निर्भर करेगा। उदाहरण के लिए गर्भवती माताओं को दिया जाने वाला संदेश उनकी गर्भावस्था की अवधि में उनके आहार में सुधार के लिए हो सकता है। वयस्कों के लिए संदेश उनके भार को सही बनाए रखने और स्फूर्ति बढ़ाने तथा स्वास्थ्य के लिए शारीरिक गतिविधि को बढ़ाने के लिए हो सकता है।
5. संदेश देने के लिए एक उपयुक्त संचार माध्यम का चयन करिए। संदेश देने के लिए बहुत से तरीके हैं, जैसे – पोस्टर, चार्ट, फिलिपबुक्स, कठपुतली प्रदर्शन तथा लघु नाटिकाएँ। शिक्षार्थी समय तथा संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार इनमें से किसी एक का चयन कर सकते हैं।
6. प्रत्येक समूह जो लक्षित समूह चुनना चाहता है तथा जो संदेश देना चाहता है, उसकी चर्चा करेगा। इस प्रक्रम में शिक्षक उनकी सहायता करेगा। तब वे निर्णय लेंगे कि उन्हें संदेश किस प्रकार संप्रेषित करना है। एक बार जब योजना अंतिम रूप ले लेती है, तो समूह संदेश पर कार्य करता है तथा अंतिम उत्पाद का विकास करता है।
7. प्रत्येक समूह अपने उत्पाद को शिक्षकों तथा सहपाठियों के समक्ष प्रस्तुत करेगा।
8. उत्पाद तथा प्रस्तुतीकरण का समूह मूल्यांकन।

परियोजना 8 — संसाधित खाद्य पदार्थों का बाज़ार सर्वेक्षण

विषय-वस्तु

संसाधित खाद्य पदार्थों, उन्हें पैक करने तथा लेबल जानकारी का बाज़ार सर्वेक्षण

उद्देश्य

यह प्रयोग विद्यार्थियों को बाज़ार में उपलब्ध विविध प्रकार के संसाधित खाद्य पदार्थों से परिचित कराने, संसाधित खाद्य पदार्थों को पैक करने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए और लेबल की जानकारी के अध्ययन में रुचि जागृत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

प्रक्रिया

विद्यार्थी प्रत्येक समूह में 4-5 विद्यार्थी के समूहों में कार्य करेंगे।

1. प्रत्येक समूह एक अलग बाज़ार में जाएगा तथा निम्नलिखित पर जानकारी इकट्ठी करेगा—

   (i) निम्नलिखित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता—

   (क) अनाज वाले खाद्य पदार्थ जैसे – सुबह के नाश्ते के खाद्य पदार्थ, नूडल, आटा,

   (ख) डेयरी उत्पाद—दूध, पनीर, मक्खन, घी, आइसक्रीम,

   (ग) संरक्षित खाद्य पदार्थ—जैम, अचार, शर्बत, कैचप, सॉस,

   (घ) अल्पाहार—चिप्स, भुजिया, बिस्कुट,

   (ङ) पोषण पूरक जैसे – कॉम्प्लैन, बॉर्नवीटा, हॉरलिक्स, मीलो, बूस्ट तथा अन्य ब्रांड वाले उत्पाद।

   (च) पेय पदार्थ—फलों के रस, कार्बन डाइऑक्साइड युक्त मृदुपेय, बोतल वाला जल।

   (ii) इन उत्पादों को पैक करने के लिए उपयोग में लाई गई सामग्री को नोट कीजिए।

2. विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को पैक करने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सामग्रियों के लिए एक सारणी तैयार कीजिए—

उत्पाद का नाम	उपयोग में लाई गई, पैक करने की सामग्री	लेबल जानकारी					
		पैक करने की दिनांक	दिनांक जिससे पहले उपयोग में लाएँ	भार	प्रमाणक चिह्न, जैसे एगमार्क/ एफ.पी.ओ./ आई.एस.आई.	पोषण जानकारी	टिप्पणी यदि कोई हो

© NCERT not to be republished

3. एक ही उत्पाद को विभिन्न सामग्रियों तथा तरीकों से पैक करने की लागतों (यदि उपलब्ध हो) की तुलना कीजिए।

परिणाम/निष्कर्ष—इकट्ठी की गई जानकारी को एक चार्ट पर सारणीबद्ध कीजिए तथा प्रदर्शित करिए। जाँच की चर्चा कक्षा में की जा सकती है, जहाँ शिक्षक विभिन्न पैक करने वाली सामग्रियों की तुलनात्मक खूबियों तथा दोषों के बारे में बता सकता है।

© NCERT not to be republished

फ़ीडबैक (प्रतिपुष्टि) प्रश्नावली
(मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान की पाठ्यपुस्तक)

कृपया यह फ़ीडबैक प्रश्नावली भरकर इस पाठ्यपुस्तक पर अपनी टिप्पणियाँ दें। आप कृपया यह प्रश्नावली डाक या ई-मेल से डॉ. तनु मलिक, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली-110 016, ई-मेल: tannu_malik@rediffmail.com को भेज सकते हैं। हम शिक्षकों, विद्यार्थियों, माता-पिता और इस पाठ्यपुस्तक के किसी भी अन्य उपयोगकर्ता से प्राप्त होने वाले फ़ीडबैक का स्वागत करते हैं। यदि आवश्यकता हो तो आप फ़ीडबैक देने के लिए अलग से (पृथक) कागज़ भी लगा सकते हैं।

शिक्षक / विद्यार्थी / माता या पिता / अन्य (कृपया बताएँ)

नाम ____

विद्यालय / पता ____

____

1. (क) क्या पाठ्यपुस्तक का मुखपृष्ठ और छपाई आकर्षक है? हाँ / नहीं

(ख) यदि नहीं, तो स्पष्ट कीजिए।

____

(ग) क्या पुस्तक की भाषा सरल और समझने में आसान है? हाँ / नहीं

(घ) उन अध्यायों / पृष्ठों का उल्लेख कीजिए जहाँ भाषा समझने में आपको कठिनाई महसूस होती है।

अध्याय संख्या	पृष्ठ संख्या	पंक्ति/ पंक्तियाँ
__________	__________	__________
__________	__________	__________

2. (क) क्या आप समझते हैं कि पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु पाठ्यक्रम की आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त है? हाँ / नहीं

(ख) उन अध्यायों का उल्लेख कीजिए जो लंबे हैं।

____

(ग) उन अध्यायों का उल्लेख कीजिए जो आपको बहुत अपूर्ण लगते हैं।

____

3. (क) क्या पाठ्यपुस्तक, मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान के प्रत्येक /अधिकार-क्षेत्र के अवसरों (स्कोप) और महत्त्व को स्पष्ट करती है? हाँ / नहीं

(ख) यदि नहीं, तो कृपया स्पष्ट कीजिए।

____

© NCERT not to be republished

4. (क) इस पाठ्यपुस्तक में कुछ प्रयोग और गतिविधियाँ सुझाई गई हैं। इनमें से कौन-सी आपने कक्षा में की हैं उनका उल्लेख कीजिए और यह भी बताइए इसमें आपने कौन-सी गतिविधियों को उपयोगी, चित्ताकर्षक और संवर्धक पाया है।

____

____

(ख) उन कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए, जो इन प्रयोगों / गतिविधियों को करते समय सामने आईं।

____

5. (क) क्या विषय-वस्तु को समझने के लिए दिए गए चित्र सहायक हैं? हाँ / नहीं

(ख) उन चित्रों का उल्लेख कीजिए जो विषय-वस्तु को समझने में सहायक नहीं हैं।

अध्याय संख्या	पृष्ठ संख्या	चित्र संख्या
__________	__________	__________
__________	__________	__________

6. यदि कोई मुद्रण त्रुटि है, तो उसका उल्लेख कीजिए।

अध्याय संख्या	पृष्ठ संख्या	पंक्ति/पंक्तियाँ
__________	__________	__________

7. पाठ्यपुस्तक के समग्र सुधार के लिए यदि आप के पास कोई विशिष्ट टिप्पणी/सुझाव हों तो बताइए।

____

____

____

____

2022-23

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT not to be republished